सत्यमेव जयते

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF **POWER**

साप्ताहिक सूचना पत्र

दिनांक 10.10.2026 से 16.10.2026

12वाँ संस्करण

श्री मनोहर लाल

माननीय केंद्रीय विद्युत तथा आवासन
एवं शहरी कार्य मंत्री

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

सप्ताह की प्रमुख उपलब्धियाँ

1. अखिल भारतीय स्तर पर 257.97 GW की अधिकतम विद्युत मांग पूरी, कोई कमी दर्ज नहीं
2. केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने CEA के 53वें स्थापना दिवस पर भारत के विद्युत क्षेत्र में AI की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित किया
3. केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने जी. किशन रेड्डी और श्रीपाद नाइक के साथ विद्युत संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति की समीक्षा की
4. भारत और यूरोपीय आयोग के बीच कार्बन बाजार, CBAM और तकनीकी सहयोग पर चर्चा
5. NHPC की सुबनसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना ने दो महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं: 1,250 MW का सिंक्रोनाइजेशन और यूनिट-6 के रोटर को नीचे उतारना
6. NTPC और Africa50 ने अफ्रीका में विद्युत परियोजनाओं के विकास के लिए सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए
7. SJVN के नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन को प्रतिष्ठित World Safety Organization–India राज्य-स्तरीय OHS&E पुरस्कार 2026

साप्ताहिक सूचना पत्र

10.10.2026 से 16.10.2026

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

15 अक्टूबर 2026

अखिल भारतीय स्तर पर 257.97 GW की अधिकतम विद्युत मांग पूरी, कोई कमी दर्ज नहीं

नीचे दिया गया चार्ट 9 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन पूरी की गई अधिकतम विद्युत मांग और दर्ज की गई विद्युत कमी को दर्शाता है।

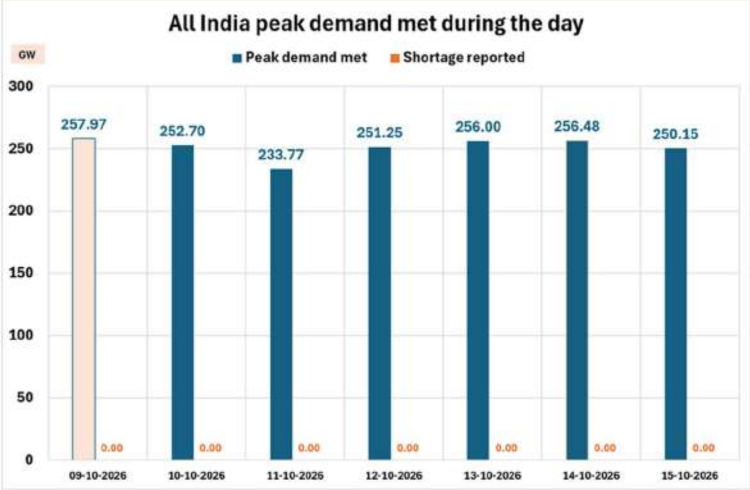

साप्ताहिक अधिकतम मांग के समय कुल विद्युत उत्पादन

Generation source	Generation (GW)	Share of Total generation (%)
Gas / Liquid fuel	4.6	1.8%
Hydro	16.4	6.2%
Nuclear	6.8	2.6%
Coal and Lignite	159.6	60.7%
Wind	10.3	3.9%
Solar	61.5	23.4%
Storage (PSP&BESS)	0.2	0.1%
Others	2.5	1.0%
Transnational Exchange*	0.9	0.4%
TOTAL	262.9	100.0%

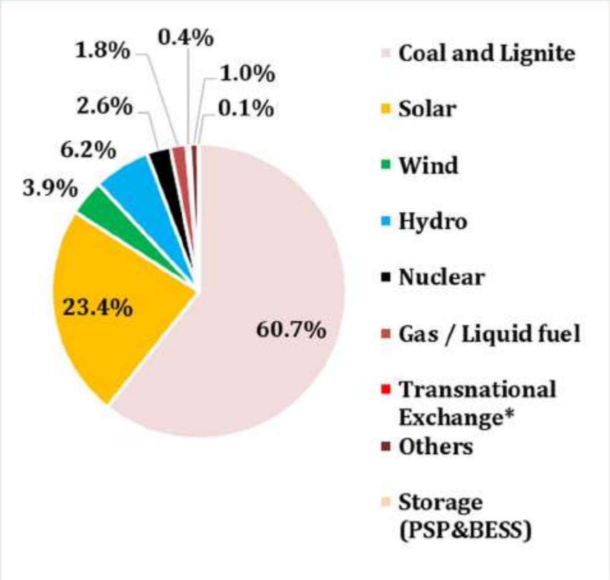

पिछले वर्ष की इसी अवधि में अखिल भारतीय स्तर पर पूरी की गई अधिकतम विद्युत मांग और ऊर्जा खपत में वृद्धि क्रमशः 23.2% और 22.7% दर्ज की गई थी।

14 अक्टूबर 2026

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने CEA के 53वें स्थापना दिवस पर भारत के विद्युत क्षेत्र में AI की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित किया

केंद्रीय विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल ने केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (CEA) के 53वें स्थापना दिवस के अवसर पर "भारतीय विद्युत क्षेत्र को AI-सक्षम बनाना" विषय पर आयोजित सम्मेलन को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने विद्युत क्षेत्र की योजना, तकनीकी मानकों और बुनियादी ढाँचे के विकास में CEA के पाँच दशकों के योगदान की सराहना की।

भारत की स्थापित विद्युत क्षमता 555 GW तक पहुँचने और 2026–27 में 70 GW से अधिक क्षमता जुड़ने की अपेक्षा के बीच, मंत्री ने मांग के पूर्वानुमान, अधिक स्मार्ट ग्रिड प्रबंधन, पूर्वानुमान-आधारित रखरखाव और बिजली कटौती का समय पर पता लगाने में AI की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा और भंडारण को एकीकृत करते हुए विश्वसनीय एवं किफायती बिजली सुनिश्चित करने वाली सक्रिय और बुद्धिमान विद्युत प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में AI-सक्षम और प्रौद्योगिकी-आधारित विद्युत क्षेत्र, विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

सत्यमेव जयते

14 अक्टूबर 2026

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने जी. किशन रेड्डी और श्रीपाद नाइक के साथ विद्युत संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति की समीक्षा की

केंद्रीय विद्युत मंत्री श्री मनोहर लाल ने केंद्रीय कोयला मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी और विद्युत तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री श्रीपाद येसो नाइक के साथ विद्युत संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान निर्बाध विद्युत उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए घनिष्ठ समन्वय, सक्रिय योजना और समय पर कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया गया।

समीक्षा में कोयला उत्पादन, रेलवे रेक की उपलब्धता और खपत के रुझानों पर ध्यान केंद्रित किया गया। मंत्रियों ने कोयला उत्पादन बढ़ाने, लॉजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करने और विद्युत संयंत्रों में कोयले का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करने पर बल दिया।

घनिष्ठ समन्वय और समय पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए दैनिक निगरानी पर भी बल दिया गया। विश्वसनीय और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

12 अक्टूबर 2026

भारत और यूरोपीय आयोग के बीच कार्बन बाजार, CBAM और तकनीकी सहयोग पर चर्चा

विद्युत सचिव श्री पंकज अग्रवाल ने नई दिल्ली में यूरोपीय आयोग के कराधान एवं सीमा शुल्क संघ के महानिदेशक श्री गेरासिमोस थॉमस के साथ द्विपक्षीय बैठक की। चर्चा भारत में कार्बन बाजार के विकास, यूरोपीय संघ के कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (CBAM) और तकनीकी सहयोग को बढ़ाने के अवसरों पर केंद्रित रही।

विद्युत सचिव ने कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना (CCTS) के अंतर्गत भारत की प्रगति को रेखांकित किया, जिसमें 490 औद्योगिक इकाइयों के लिए उत्सर्जन तीव्रता में कमी के लक्ष्यों की अधिसूचना और घरेलू कार्बन बाजार का विकास शामिल है। उन्होंने विद्युत उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी बढ़ाने में भारत की प्रगति का भी उल्लेख किया और बताया कि देश की कुल 558 GW स्थापित क्षमता में गैर-जीवाश्म स्रोतों की क्षमता 308 GW है।

यूरोपीय संघ के पक्ष ने भारत में कार्बन बाजार के विकास में हुई प्रगति की सराहना की और CBAM के कार्यान्वियन से संबंधित घटनाक्रम साझा किए। दोनों पक्षों ने कार्बन मूल्य निर्धारण तंत्र की मान्यता, निगरानी, रिपोर्टिंग एवं सत्यापन (MRV) प्रणालियों तथा क्षमता निर्माण पर तकनीकी संवाद जारी रखने की इच्छा व्यक्त की।

दोनों पक्षों ने सहयोग को मजबूत करने और कार्बन बाजार, CBAM-संबंधी कार्यप्रणालियों तथा आपसी हित के अन्य क्षेत्रों पर निरंतर संवाद को सुगम बनाने पर सहमति व्यक्त की।

12 अक्टूबर 2026

NHPC की सुबनसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना ने दो महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं: 1,250 MW का सिंक्रोनाइजेशन और यूनिट-6 के रोटर को नीचे उतारना

NHPC की 2000 MW की सुबनसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना ने 12 अक्टूबर 2026 को रात 21:00 बजे अपनी पाँचवीं इकाई (250 MW) को राष्ट्रीय ग्रिड के साथ सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइज़ करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इसके साथ ही परियोजना की 1,250 MW क्षमता का सिंक्रोनाइजेशन पूरा हो गया, जो किसी एक परियोजना से NHPC की अब तक की सबसे बड़ी सिंक्रोनाइज़्ड क्षमता है।

NHPC की 2000 MW की सुबनसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना की यूनिट 6 के 673 MT के जनरेटर रोटर को 12 अक्टूबर 2026 को सफलतापूर्वक पिट में उतारा गया। रोटर को सफलतापूर्वक नीचे उतारना विद्युत-यांत्रिक स्थापना कार्यों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे यूनिट 6 की बॉक्सिंग-अप प्रक्रिया, इसके बाद परीक्षण और कमीशनिंग का मार्ग प्रशस्त होगा तथा परियोजना अपनी 2,000 MW (8 × 250 MW) की पूर्ण स्थापित क्षमता हासिल करने के और करीब पहुँचेगी। इस अवसर पर भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अपर सचिव श्री दिवाकर नाथ मिश्रा, NHPC के CMD श्री भूपेंद्र गुप्ता और NHPC के निदेशक (परियोजनाएँ) श्री संजय कुमार सिंह उपस्थित रहे।

15 अक्टूबर 2026

NTPC और Africa50 ने अफ्रीका में विद्युत परियोजनाओं के विकास के लिए सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए

NTPC और अफ्रीकी बुनियादी ढाँचे में विशेषज्ञ निवेशक Africa50 ने 15 अक्टूबर 2026 को अफ्रीका में विद्युत उत्पादन परियोजनाओं और सीमा-पार बिजली व्यापार के अवसरों की पहचान, आकलन तथा विकास के लिए सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए। नई दिल्ली स्थित SCOPE कॉम्प्लेक्स में आयोजित हस्ताक्षर समारोह में NTPC के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, Africa50 के ग्रुप CEO, NTPC के निदेशक (वित्त) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस समझौते पर NTPC के ED (वाणिज्यिक, BD और IBD) श्री अजय दुआ तथा Africa50 – Project Development के निवेश निदेशक श्री मोशूद अबोलाडे ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता भारत और अफ्रीका के बीच निवेश साझेदारियों को मजबूत करता है और पूरे महाद्वीप में आर्थिक विकास को गति देने वाले विद्युत बुनियादी ढाँचे के विकास में सहयोग करता है।

13 अक्टूबर 2026

SJVN के नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन को प्रतिष्ठित World Safety Organization–India राज्य-स्तरीय OHS&E पुरस्कार 2026

SJVN के प्रमुख 1500 MW नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन (NJHPS) ने प्रतिष्ठित World Safety Organization (WSO)–India (State) Level OHS&E Award 2026 के अंतर्गत "सर्वाधिक उत्कृष्ट प्रदर्शन – प्लेटिनम 5 स्टार प्लेटिनम ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र 2026" प्राप्त किया है। WSO–India के एक मूल्यांकनकर्ता द्वारा स्थल पर आकलन किए जाने और उसके बाद WSO जूरी द्वारा अंतिम मूल्यांकन के आधार पर इस विद्युत स्टेशन का चयन किया गया।

इस उपलब्धि को साझा करते हुए SJVN के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री भूपेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह सम्मान कार्यस्थल पर सुरक्षा, व्यावसायिक स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के उच्च मानकों को बनाए रखने तथा सुरक्षा को दैनिक कार्यों का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए NJHPS टीम के निरंतर प्रयासों का प्रमाण है।

यह पुरस्कार 13 अक्टूबर 2026 को मुंबई में आयोजित WSO INDIA (State) Level OHS&E Awards के 5वें संस्करण में प्राप्त किया गया। यह आकलन वर्ष 2025–26 के दौरान NJHPS के उत्कृष्ट प्रदर्शन को मान्यता देता है।

सत्यमेव जयते

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER

इस सप्ताह के प्रमुख समाचार

द पायनीयर
(15 अक्टूबर, 2026)

मोदी ने तमिलनाडु में 13,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का किया शुभारंभ

पायनियर संवाददाता < चेन्नई
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु की राजधानी में रेलवे, बंदरगाह, राजमार्ग, पेट्रोलियम और वैज्ञानिक अनुसंधान सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी 13,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पण और शिलान्यास किया। दिल्ली से यहां पहुंचे मोदी का हवाई अड्डे पर राज्यपाल आर वी आर्लेकर, मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय, राज्य के मंत्रियों, भाजपा नेताओं और राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का नेतृत्व कर रही अन्नाद्रमुक के प्रमुख नेताओं ने स्वागत किया। स्वागत करने वालों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन और अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी प्रमुख रूप से शामिल रहे। प्रधानमंत्री ने अपने दौरे की शुरुआत मुख्यमंत्री के साथ चेन्नई मेट्रो ट्रेन में सफर करके की। मई में मुख्यमंत्री बनने के बाद विजय पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा कर रहे थे। दोनों नेताओं ने चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के चरण-दो के पहले 14.64 किलोमीटर लंबे हिस्से के तहत आने वाले पोरूर बाइपास स्टेशन से पूनमल्ली बाइपास स्टेशन तक और वहां से वापस मेट्रो की सवारी की। इसके बाद उन्होंने करीब 4,900 करोड़ रुपये की लागत से बने मेट्रो परियोजना के चरण-दो के पूनमल्ली-वडपलनी हिस्से का उद्घाटन किया। इस पूरे मार्ग में 3.7 किलोमीटर लंबा एक अनोखा डबल-डेकर ढांचा शामिल है। इसके अलावा इसमें बिना ड्राइवर के ट्रेन परिचालन का समर्थन करने वाली अत्याधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली भी मौजूद है। इस नये मार्ग से दैनिक यात्रियों के समय की बचत होगी और तेजी से विकसित हो रहे चेन्नई के पश्चिमी उपनगरों का मुख्य शहर से संपर्क और बेहतर होगा। मेट्रो सफर के बाद वे सड़क मार्ग से आईआईटी-मद्रास पहुंचे, जहां उन्होंने जलकंडेश्वर मंदिर में दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने आईआईटी-मद्रास के 'ब्रेन सेंटर' का दौरा किया, शीर्ष 10 स्टार्टअपों के संस्थापकों से बातचीत की और गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) रहने वाले और दिव्यांग बच्चों से मुलाकात की। बाद में आयोजित एक जनसभा में प्रधानमंत्री ने 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास योजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और राष्ट्र को समर्पण किया। इनमें चेन्नई मेट्रो के चरण-दो का पहला हिस्सा, राष्ट्रीय राजमार्ग 744 (एनएच-744) और 744ए की फोर-लेन परियोजना, चेन्नई, वीओसी एवं कामराजर बंदरगाहों की प्रमुख अवसंरचना परियोजनाएं और पलानी, नमक्कल, परमकुडी, अंबासमुद्रम तथा वेल्लोर छावनी में पुनर्विकसित किये गये पांच अमृत भारत रेलवे स्टेशन शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने एनएच-83 पर फोर-लेन तिरुवारूर बाइपास के निर्माण, दक्षिणी तिरुनेलवेली जिले के ओट्टापिडारम, अनुप्पनकुलम और कयाथारू में 250 मेगावाट/500 मेगावाट की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों (बीईएसएस) तथा चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड की मनाली रिफाइनरी में ग्रुप दो/तीन ल्यूब ऑयल बेस स्टॉक्स (एलओबीएस) परियोजना की आधारशिला रखी। मोदी ने कराईकल-पेरलम रेल लाइन और कोयंबटूर में तीन रेलवे ओवर ब्रिज भी देश को समर्पित किए और ब्रेन एटलस और '100 ह्यूमन ब्रेन्स' मिशन की घोषणा की।

द पायनीयर
(13 अक्टूबर, 2026)

बढ़ी मांग के बीच छत्तीसगढ़ में बिजली आपूर्ति सुचारू रखने, 6300 मेगावाट तक उपलब्धता सुनिश्चित

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

देशभर में बिजली की बढ़ती मांग के बीच छत्तीसगढ़ में उपभोक्ताओं की आवश्यकता के अनुरूप बिजली की उपलब्धता बनाए रखने के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। पीक आवर्स में प्रदेश में बिजली की मांग बढ़कर करीब 6300 मेगावाट तक पहुँच गई है, जिसकी आपूर्ति सुनिश्चित की गई। उमस भरे मौसम, कृषि पंपों के बढ़ते संचालन और एयर कंडीशनर सहित अन्य विद्युत उपकरणों के अधिक उपयोग से प्रदेश में बिजली की खपत बढ़ी है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर ने बताया कि प्रदेश में सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं को निरंतर और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जा रही है। मांग में वृद्धि का आकलन करते हुए बिजली की अतिरिक्त व्यवस्था की जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर पावर एक्सचेंज से 10 रुपये प्रति यूनिट तक की दर पर भी बिजली खरीदी जा रही है, ताकि पीक आवर्स में आपूर्ति बनाए रखी जा सके। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पूरे देश में अधिक दरों पर भी बिजली उपलब्ध नहीं हो पा रही है। पिछले सप्ताह उत्तर प्रदेश से 200 मेगावाट बिजली प्राप्त की गई थी। वर्तमान में भी मांग और उपलब्धता की स्थिति का आकलन करते हुए पावर एक्सचेंज से अतिरिक्त बिजली खरीदी जा रही है। इसकी मात्रा मांग के अनुसार करीब 100 से 700 मेगावाट तक रहती है। हाल के दिनों में हरियाणा में बारिश के कारण वहां उपलब्ध अतिरिक्त बिजली का लाभ भी एक्सचेंज के माध्यम से छत्तीसगढ़ को मिला है। देशभर में बिजली की मांग बढ़ने से अतिरिक्त बिजली की उपलब्धता पर दबाव बना हुआ है। विभिन्न राज्य अपनी आवश्यकता के अनुसार पावर एक्सचेंज के माध्यम से बिजली खरीदने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन एक साथ बढ़ी मांग के कारण अतिरिक्त बिजली की उपलब्धता सीमित है। पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और कर्नाटक सहित कई राज्यों में बिजली की उपलब्धता को लेकर दबाव की स्थिति बताई जा रही है। ऐसे में उपलब्ध बिजली का समुचित प्रबंधन और समयानुसार अतिरिक्त बिजली की व्यवस्था महत्वपूर्ण हो गई है। छत्तीसगढ़ में धान की सिंचाई के लिए बड़ी संख्या में कृषि पंपों का संचालन हो रहा है। इसके साथ उमस भरे मौसम के कारण घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कूलिंग उपकरणों का उपयोग बढ़ने से बिजली की मांग अधिक बनी हुई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में भी उमस भरा मौसम बने रहने की संभावना है। मौसम में ठंडक आने के बाद बिजली की खपत में कमी आने की उम्मीद है। कंवर ने कहा कि बिजली की मांग और उपलब्धता की लगातार निगरानी की जा रही है। प्रदेश में उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने के साथ आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त बिजली की व्यवस्था की जा रही है। विद्युत ग्रिड की सुरक्षा और संतुलन बनाए रखते हुए कृषि, घरेलू, वाणिज्यिक तथा औद्योगिक उपभोक्ताओं को विश्वसनीय बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराना कंपनी की प्राथमिकता है।

हिन्दुस्तान
(11 अक्टूबर, 2026)

■ यूपी के 15 जिले सोलर लगाने में टॉप-100 शहरों में शामिल
■ सोलर रूफटॉप लगने के मामले में लखनऊ देश में अव्वल

8.76 लाख से ज्यादा घरों में सोलर पैनल सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत लगाए गए

ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम

ऊ[illegible]

2,942
मेगावाट सोलर पैनल की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता है, 1.32 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन हर दिन हो रहा है।

32,259
मेगावाट राज्य में सभी स्रोतों से कुल विद्युत उत्पादन की क्षमता तक पहुंच गई है।

प्रदेश में चल रहे 36 सीबीजी प्लांट

[illegible]

8.76
लाख से ज्यादा घरों में सोलर पैनल पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अब तक लगवाए जा चुके हैं।

10
मिलियन यूनिट इस साल जून तक यह कमी घटकर रह गई

पारेषण क्षमता पहुंची 32,500 मेगावॉट

[illegible]

कार्बन उत्सर्जन में 34 लाख टन कमी

[illegible]

2025-26 में अरसे से महज 26 मिलियन यूनिट ही कम रही यूपी में बिजली

2021-22 में 1,138 मिलियन यूनिट कम बिजली की उपलब्धता दर्ज हुई

बीते छह साल में उत्तर प्रदेश में विद्युत उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई

वर्ष	उत्पादन (मिलियन यूनिट में)
2020-21	1,32,668.65
2021-22	1,43,159.29
2022-23	1,63,447.06
2023-24	1,65,051.58
2024-25	1,75,196.84
2025-26	1,77,225.06
2026-27	50,641.98 (जून तक)

बीते पांच वर्ष में की गई विद्युत आपूर्ति

वर्ष	आवश्यकता	उपलब्धता	आपूर्ति नहीं की जा सकी
2021-22	1,29,448	1,28,310	1,138
2022-23	1,44,251	1,43,050	1,201
2023-24	1,48,791	1,48,287	504
2024-25	1,65,090	1,64,786	304
2025-26	1,63,501	1,63,475	26
2026-27	49,411	49,401	10 (जून तक)

(नोट : आंकड़े मिलियन यूनिट में हैं)

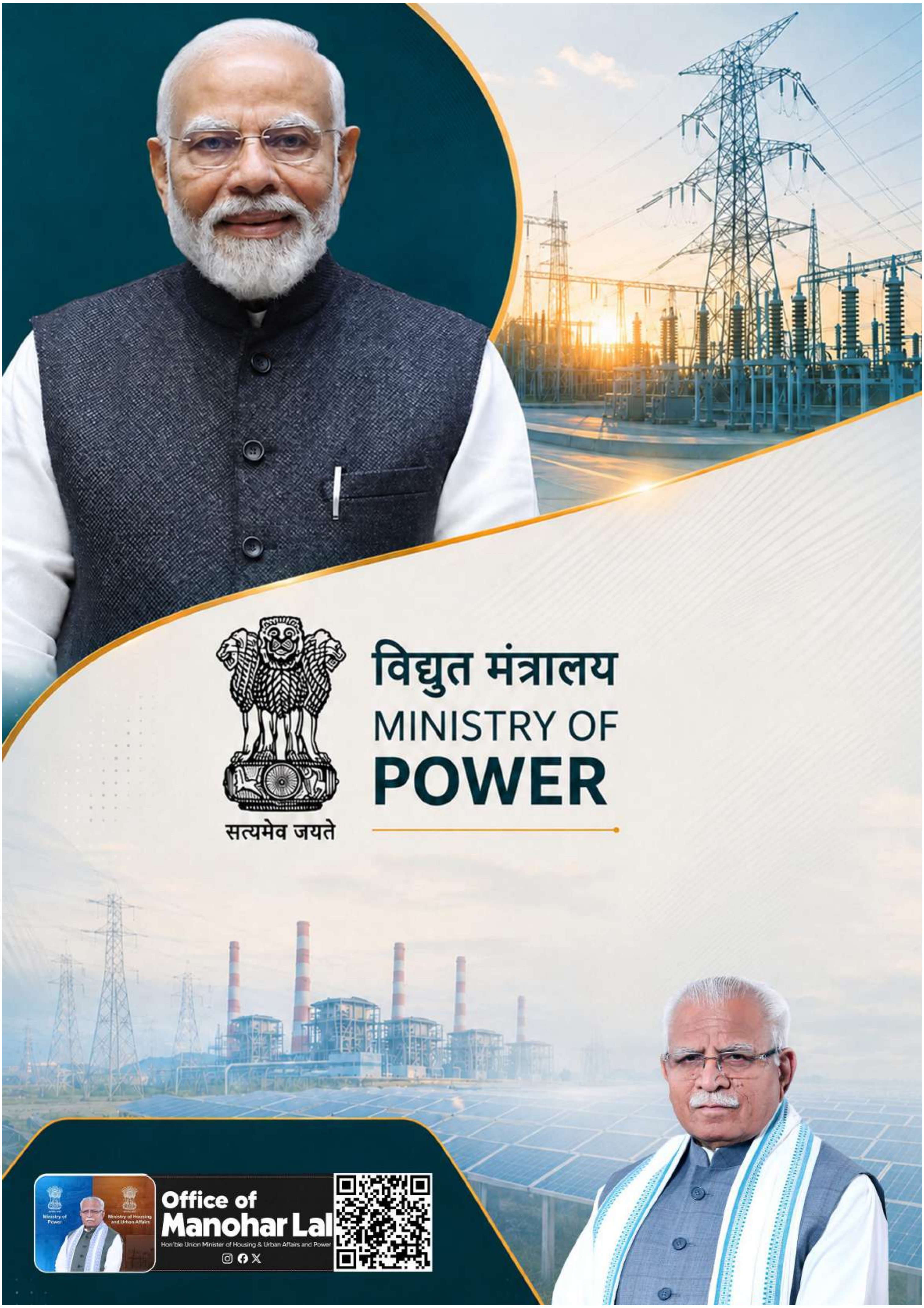

विद्युत मंत्रालय
MINISTRY OF
POWER
सत्यमेव जयते
Ministry of Power
Ministry of Housing and Urban Affairs
Office of
Manohar Lal
Hon'ble Union Minister of Housing & Urban Affairs and Power